ૐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ
‘માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા’
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-4 अंक : 39 सहयोग शुल्क : रु. 1 / मार्च : 2020

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

“ यकीन और उम्मीद लक्ष्य को आसान नहीं,
बल्कि संभव बनातें हैं..। ”

– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

“ आपके प्रधान सेवक के तौर पर, मुझे हजारो दिव्यांग-जनों और
बुजुर्गो, वरिष्ठ जनों की सेवा करने का अभी अवसर मिला है। ”

– प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

यह प्रीमियम ॐकार फाउन्डेशन द्वारा भरा जाएगा

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

हे ईश्वर..

हर ईन्सान और जर्रे जर्रे मे तु ही तु नजर आया,
जब भी मै गिरा, कीसी ने हाथ अपना बढाया ।

जितनी अजीब ये बाहर की दुनिया है, ईस से भी ज्यादा अजीब हमारे अंदर की दुनिया है। ईन्सान अपनी जिंदगी में हर कार्य सुख के अनुभव की प्राप्ति के लिए करता है। अगर जिंदगी में परम आनंद की प्राप्ति करनी है तो कीसी जरुरियातमंद की नि:स्वार्थ भावसे मदद करना।

यकीन मानीये उन लोगो को ईश्वर बहोत देता है जो जरुरियातमंदो की मदद करने हमेशां तत्पर रहेते है। समाज मे कुछ ऐसे फूल हैं जो पूर्ण रुप से खिल नहीं पाए, जीसे हम दिव्यांग कहते है। सिर्फ मदद करने से ये फूल खिल नहीं पायेंगे, जरुरत है पूलवारी को अच्छे से सिंचने की। ताकी ये फूल पूर्णरुप से खिले और लहलहराये और हमारे समाज मे ईनको सन्मान, प्रेम, करुणा और साझेदारी मिले। और समाज के अभिन्न हिस्सा बने।

हम इस पत्रिका के माध्यम से यही प्रयास कर रहे है, आप भी हमारे साथ जुड़ सकतें है। इस पत्रिका के बारे में आपके प्रतिभाव हमें भेजें। हम आपके द्वारा दिए जाने वाले सुझाव या विचार पत्रिका में प्रकाशित करेंग।

पाठकों से हम यह निवेदन करते है की 'दिव्यांग सेतु' पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु आपके आसपास दिव्यांगजनों के अनुलक्ष में हुए कार्यक्रम व कोई दिव्यांगजन के विशेष प्रदान का ब्यौरा भी आप हमें भेज सकते है।

दिव्यांग सेतु
मासिक पत्रिका

मार्च : 2020, पृष्ठ संख्या : 16
वर्ष : 4 अंक : 39

✦ प्रेरणास्त्रोत और संपादक ✦
संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

✦ सह-संपादक ✦
मिहिरभाई शाह
मो. 97241 81999

✦ संपर्क-सूत्र ✦
सेवा समर्पण फाउण्डेशन
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)
Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad
०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,
नया विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००९
(मो.) 99749 55365, 9974955125

✦ मुद्रक ✦
प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.
आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6
Phone : 079 26405200

वोइस टू दिव्यांग

दिनांक : २८ - २ - २०२०, शुक्रवार के दिन व्यायाम विद्यालय, कांकरिया, अहमदाबाद मे २३ वाँ दिव्यांग रमतोत्सव का आयोजन हो गया । जीस मे कार दिव्यांग ट्रेनींग डे केर तालीम सेन्टर संस्था के मानसी, निधी, प्रार्थवी, द्वितांशु, प्रदिपसिंह, विराट, उमेद, परिमल, अरुण, केतुन सह १६ मे से १० बच्चे हाजर रहकर रमतोत्सव मे हिस्सा लिया । हिस्सा ले ने वाले सभी बच्चो को टोकन व पानी की बोतल व कोर्पोरेशन की ओर से बच्चो को आने जाने के लिए फ्री बस का ईन्तजाम कीया था। संस्था के सभी बच्चो ने बडी ही उत्साह के साथ हिस्सा लिया था ।

मनोदिव्यांग बच्चोका सर्वांगी विकास करने हेतु, दिव्यांग बच्चो के लिए कार्य करती संस्था स्मीत स्पेश्यल स्कूल की ओर से एकदिवसीय पिकनीक का आयोजन कीया था । जिसमे बच्चो को नलसरोवर की पिकनीक करवाई थी । जहां बच्चो ने प्रकृति की गोदमे खेलकूद, संगीत, डांस, जादू के खेल का आनंद लिया। साथ ही, भिन्न भिन्न राईड्स जैसे ऊंटगाडी, घोडागाडी, टोय ट्रेन, गार्डन, झुला, बोटींग, जैसी अनेकविध राईड्स का खुब मजा लिया पुरी पिकनीक दरम्यान संस्था के ट्रस्टी श्री चंदुभाई की ओर से बच्चो के लिए ब्रेकफास्ट, लंच ओर डिनर का आयोजन कीया गया था ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीने सामाजीक अधिकारिता शिविर २०२० को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सामाजिक अधिकारिता शिविर में सम्बोधित करते हुए कहा कि तीर्थराज, प्रयागराज में आकर हमेशा ही एक अलग पवित्रता और ऊर्जा का एहसास होता है। पिछले साल फरवरी में मैं कुम्भ के दौरान इस पवित्र धरती पर आया था। तब संगम में स्नान करके और उसके साथ-साथ मुझे एक और सौभाग्य मिला था। पूरी दुनिया में प्रयागराज की एक नई पहचान बनी। कुम्भ में एक नई परंपरा नजर आई और उसे सफल करने वाले उन सफाई कर्मचारियों के चरण धोने का और मुझे इस महान सिद्धि को पाने वाले उन सफाई कर्मचारियों को नमन करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि ये हमारी ही सरकार है जिसने पहली बार दिव्यांगजनों के अधिकारों को स्पष्ट करने वाला कानून लागू किया। इस कानून का एक बहुत बड़ा लाभ ये हुआ है कि पहले दिव्यांगों की जो 7 अलग-अलग तरह की कैटेगरी होती थी, उसे बढ़ाकर 21 कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण में हर दिव्यांग युवा, दिव्यांग बच्चे की उचित भागीदारी आवश्यक है। चाहे वो उद्योग हों, सेवा का क्षेत्र हो या फिर खेल का मैदान, दिव्यांगों के कौशल को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सीनियर सिटिजन्स के जीवन से इस परेशानी को कम करने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। गरीब वरिष्ठ नागरिकों को भी जरूरी उपकरण मिलें, इसके लिए हमारी सरकार ने तीन साल पहले 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' शुरू की थी। बीते कुछ समय में सरकार ने जो फैसले लिए हैं, जो अन्य योजनाएं शुरू की हैं, उनसे भी उन्हें लाभ हो रहा है। बीते 5 साढ़े 5 वर्षों में वरिष्ठ जनों का इलाज का खर्च पहले की अपेक्षा, बहुत कम हुआ है। पीएम ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा हो या फिर बीमा योजनाएं, उनका भी लाभ गरीबों को, दिव्यांगजनों को अलग से हो रहा है। गरीब से गरीब देशवासी भी बीमा की सुविधा से जुड़े इसके लिए 2-2 लाख रुपए के बीमा की दो योजनाएं चल रही हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिले के लिए भी उनका आऱक्षण 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। अपने दिव्यांग साथियों का कौशल विकास भी हमारी प्राथमिकता रही है। पिछली सरकार के पांच साल में जहां दिव्यांगजनों को 380 करोड़ रुपए से भी कम के उपकरण बांटे गए, वहीं हमारी सरकार ने 900 करोड़ रुपए से ज्यादा के उपकरण बांटे हैं। यानि करीब-करीब ढाई गुना। बीते चार-पांच वर्षों में देश की सैकड़ों इमारतें, 700 से ज्यादा रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाई जा चुकी हैं। जो बची हुई हैं, उन्हें भी सुगम्य भारत अभियान से जोड़ा जा रहा है।

DD
NEWS HD
LIVE

अधिकारिता शिविर
मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि

गायत्री विकलांग मानव मंडल

संस्था का नवम समूह लग्नोत्सव का आयोजन

गायत्री विकलांग मानव मंडल द्वारा समूह शादी का आयोजन किया गया है। जिसमें गाँव में रहते शहर की बहार रहते या कोई महोल्ले के सभी गरीब बेटे एवं बेटी के पर्चे भरे जा रहे है। पर्चा भरने की आखरी तारीख ३० जनवरी है। समूह शादी दिनांक २२-०३-२०२०, रविवार त्रयोदशी के दिन निर्धारित की गई है। जिन बेटे-बेटियों की सगाई हो गई हो और समूह में शादी करने इच्छुक हो तो जल्दी से पर्चा भरने की विनंती है। पर्चा भरने के लिए जन्मतिथि का प्रमाण, आधारकार्ड, दो फ़ोटो और माता-पिता का आधारकार्ड साथ में लाना जरुरी है। आप किसी और जरूरियातमंद को भी यह कार्य में शामिल होने हेतु सूचित कर सकते है।

टिपण्णी : यह शादी महोत्सव में दिव्यांग बेटे-बेटियां भी पर्चा भर सकते है।
सगाई करने इच्छुक बेटे-बेटियां भी पर्चा भर सकते है।

बाल विधवा, त्यक्ता और तलाकशुदा बहनों के फॉर्म भी भरे जायेंगे।

दिव्यांगजन की शादी के बाद सरकारश्री की ओर से 50,000 राशि का लाभ मिलता है। तो आपके आस-पास रह रहे दिव्यांगजनों को यह महोत्सव के बारे में सूचित कर के पर्चा भरने की विनंती।

खुद की बेटी का दान तो सब करे लेकिन गरीब निराधार बेटियों का कन्यादान करोगे तो हजार गुना पूण्य मिलेगा।

जनता को सूचित किया जाता है की यह समूह शादी में जुड़ने हेतु अपने आसपास के लोगों को या सगे सम्बन्धी या पहचान वालों से अनुरोध करे और भाग्यशाली बने। कन्यादान महादान है।

ऐसे शुभ कार्य में साथ सहकार देने वालों का संस्था सम्मान करेगी।

-: पर्चा भरने का स्थल :-

गायत्री विकलांग मानव मंडल, समा सावली रोड, उर्मि स्कूल के पास, वड़ोदरा

रुक्ष्मणिबेन जे शाह	**रिंकूबेन पटेल**
9429757634 / 9265426582	9081247091

गायत्री विकलांग मानव मंडल

संस्था का नवम समूह लग्नोत्सव का आयोजन

शादी दिनांक : २२-०३-२०२०, रविवार त्रयोदशी

स्थल : समा सावली रोड, समा तलाव, उर्मि स्कूल के पास, लक्ष्मीबा पार्क, वड़ोदरा

बैंक : स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, समा
एकाउन्ट नंबर : 33456320461

आपका दिया हुआ दान इन्कमटेक्ष
(80G) माफ़ी पात्र है।

www.GayatriViklangManavMandal

Email : info@gvmm.org

यह संस्था में इस के अतिरिक्त काफी सामाजिक कार्य किये जाते है, उसकी जानकारी हमारी वेब साइट पर मिलेगी।

यह संस्था द्वारा नवम शादी महोत्सव का आयोजन किया है। शादी महोत्सव में कन्याओं को कन्यादान देने को इच्छुक भाई-बहनो अपना नाम जल्दी लिखवाए। खुद की बेटी का दान तो सब करे लेकिन गरीब निराधार बेटियों का कन्यादान करोगे तो हजार गुना पूण्य मिलेगा।

१,मंगलसूत्र
२, नाक की नथ
३, पायल
४, पाँव की अंगूठी
५, अलमारी
६, चारपाई
७, गद्दा
८, चद्दर
९,तकिया
१०,पंखा
११, घडी (दीवार)
१२, इस्त्री
१३, पानी की टंकी (स्टील)
१४, पानी का घड़ा (स्टील)
१५, स्टील की बाल्टी
१६, परात
१७, थाली
१८, कटोरी,
१९, ग्लास
२०, चमच
२१, छलनी
२२,कीप
२३,छोटा चिमटा
२४, बड़ा चिमटा
२५, चाकू
२६, कढ़ाई
२७, जग
२८, झारा
२९, गीता
३०, मूर्ति
३१,मसाला डिब्बा
३२,रोटी का डिब्बा
३३, कप तश्तरी
३४, चीनी-चाय के डिब्बे
३५, जार
३६, बेटी का पानेतर
३७, कूकर
३८,पूजा के लिए दिया
३९,अगरबत्ती स्टेण्ड
४०, बड़ा चमचा

समूह शादी महोत्सव में जो बेटी माता-पिता नहीं है तो उन बेटियों को कन्यादान करने इच्छुक धर्म के माता-पिता बनने हेतु अपना नाम, पता लिखवाने की विनती है।

इतनी चीज वस्तुए शादी कन्यादान में दी जाएगी। इस शादी में डी.जे के साथ धामधूम से बारात का आयोजन किया गया है। दानवीर दाताओं को नम्र विनंती है की कन्याओं को कन्यादान करें। नवपरणित को आशीर्वाद देने आने निमंत्रण है। उन कन्याओं की लाखों दुआए आपको मिलेगी।

रुक्ष्मणिबेन जे शाह
9429757634 / 9265426582

रिंकूबेन पटेल
9081247091

ॐ कार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर ने मनाया दिव्यांग बच्चे का जन्मदिन

ॐ कार दिव्यांग ट्रेनींग डे केर तालीम सेन्टर के तालीमार्थी प्रकाश जादव का दिनांक :१२ - २ - २०२० को जन्म दिवस था । जन्मदिवस के ईस सुनहरे दिन पर संस्था की ओर से केक काट कर संस्था के सभी बच्चो के साथ ईनका जन्मदिवस बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्था की ओर से ईन्हे शुभकामनाए एवम प्रकाश जादव के वाली की ओर से बच्चो को सुखा नास्ता व संस्थाकी ओर से संस्था के सभी बच्चो को केक बाँटी थी।

उपवास का महात्म्य

मनोदिव्यांग बच्चे हमारी भारतिय संस्कृति तथा भिन्नताए एवम धार्मिक त्यौहार व उपवास के महात्म्य से परिचित हो ईस उद्देश्य से हिव्यांग बच्चो के लिए सतत कार्यशील रहेती स्मीत स्पेश्यल स्कूल की ओर से महाशिवरात्री पर्व बडी ही धामधूम और हर्षोल्लास से मनाया गया। ईस पावन त्यौहार पर दिव्यांग बच्चो को डपवास का महत्व, भगवान शिव की प्रार्थना, स्तुति, भजन, गीत तथा शिवतांडव की प्रस्तुति की। और सभी बच्चो को फलाहार भी करवाया।

रमतोत्सव और सेमिनार

नवजीवन चेरीटेबल ट्रस्ट संचालित, डो. हरिकृष्ण डाह्याभाई स्वामी स्कूल फोर मेन्टली डिसेबल्ड, मेमनगर गाम संस्था के स्थापना दिन समारोह का आज आयोजन कीया गया। जीसके अंतर्गत औडा गार्डन मेमनगर मे सुबह १० से दोपहर २ बजे तक एक अनोखा कार्यक्रम लोगो की आकर्षण का केन्द्र रहा। संस्था के २७ साल पुरे होने एवम २८ वे साल मे मंगल प्रवेष के अवसर पर संस्था के १०० मनो दिव्यांग बच्चो की रमत गमत का आयोजन कीया गया। जीसमे अंधपट्टा, निम्बु चम्मच, बोल पासींग, सातेलिया, लंगडी, दोड, बोल थ्रो ,बकेट बोल जैसी खेलो की स्पर्धा की गई। ओर साथ ही मे एक वाली-सेमिनार का भी आयोजन हुआ, जीसमे संस्था के ट्रस्टी की ओर से शिक्षक और वाली का समन्वय मनो दिव्यांग बच्चो की तालिम के लिए कैसे अहम है, वो समजाया गया। वाली और शिक्षक सिक्के के दो पहेलु है जो बच्चो के मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के समापन मे सभीने ढोंसा-उत्तपमा का भोजन लुफ्त उठाया। अवेरनेस को केन्द्र बिन्दु रखके संस्था के २८वे स्थापना समारोह का सुंदर आयोजन कीया।

- श्री निलेश पंचाल

संचालक श्री, नवजीवन ट्रस्ट, मो. ९८२४२६३६०८

वाकेशनल प्रवृत्ति

हमारी संस्था पीछले १० सालो से रोजगारलक्षी तालीम प्रवृत्ति चला रही है । जीसमे ३० तालिमार्थी बच्चे तालीम ले रहे है जो, जीन की आयु १८ से ज्यादा है। हर तालिमार्थी को साल भर चलने वाले पायदान (पैरो को साफ करने का आशन), अगरबत्ती,भरत गुंथायी, सिलाईकाम ऐसी हर तरह की तालीम दी जा रही है।

ईसके अलावा त्यौहारो के हिसाब से तालिमार्थी बहने राखी, सुखे नास्ते, एवम रसोईघरमें पुरी, शब्जीयाँ काटना और कागज की थैलीयाँ भी बनाती हैं।

दिपावली पर्व के ३ मास पहले से ही दिप, झुम्मर, मोमबत्ती बनाने का काम हमारी संस्थामें शुरु हो जाता है। तब वच्चो को मीट्टी के बने दियो को पानी से साफ करना, दियो को कलर एवं अनेकविध तरीको से सुशोभित करना, बाती और मोम लगाना जैसी तालीम देकर दिपावली के एक मास पहेले ईन चीजो की प्रदर्शनी करके लोगो से अपिल करते है की आपकी दिपावली की खरीदारी ईन वच्चो से करे जिनसे ईनका आत्मविश्वास बढता है।

ईस तरह सालभर के त्यैहारो के अनुसार बनायी चीजो का प्रदर्शन के आयोजको द्वारा मिले स्टोलमें बिक्री होती है। जीससे बच्चोके आत्मविश्वासमे बढोतरी होती है एवम् बच्चो को प्रोत्साहन मिलता है।

बय्चो की बनाये उत्पादो की विक्री जब शुरु होती है तब संस्था के संचालक श्री निलेशभाई, शिक्षकगण एवम संस्था के अन्य कर्मचारी और वाली भी ईस कार्यमें उत्साह के साथ जुडते है, जीससे सब उत्साहित होकर काम करते है। शहर के अपनाबाजार, बचतभवन, ग्रान्डभगवती, राजपथ क्लब, कर्णावती क्लब जैसे विस्तारो मे सालमें २-३ दिन सुबह १० से शाम ८ बजे तक हमारी संस्थाके बच्चो द्वारा बनायी चीजो की बिक्री होती है । बडी बडी ओफिसे, होटेल्स,सोसायटी, मोल्स वाले खुशी खुशी ये सब खरीदते है।

आन्य संस्थाये भी हमारी चीजो की बिक्री करती है। स्टोल पर जो बच्चे रहते हैं ईनको ग्राहक के साथ बातचीत कैसे की जाय, किमत बताना, पैसे कितने लेने है और छुट्टा करके वापस कैसे देने है ये सारी बाते शिखाई जाती है। जीससे बच्चो को खुशी के साथ प्रोत्साहन मिलता है।

हमारी संस्थामे काम करने वाले बच्चो की ईससे अच्छी खासी आमदनी मिल जाती है जीसे काम के हिसाबसे बच्चो में बाँट दी जाती है। यह काम हमने साल २००४ से शुरु कीया था जो आज बुलंदीयों पर है। ऐसे स्पेशियल बच्चो के साथ काम करने का आनंद अद्भूत है।

- श्री वर्षाबेन परमार (वाकेशनल प्रवृत्ति ईन्चार्ज)
नवजीवन ट्रेनींग सेन्टर

नृत्य (डान्स) थेरापी – मंदबुध्धि बच्चो के लिए

नृत्य (डान्स) थेरापी – मंदबुध्धि बच्चो के लिए प्राचिन काल से नृत्य (डान्स) एक मनोरंजन का प्रतिक रहा है । पर पिछले पचास सालो से नृत्य (डान्स) चिकित्सा पध्धति के रुप मे उभर के आया है ।

१९ वीं सदी मे यु.के. पहली बार नृत्य (डान्स) को चिकित्सा के रुप मे अपनाने वाला देश था । हम जानते है की हमारा शरीर और हमारा मन एक दूसरे से जूडे हुए है । शरीर और मन की यह एकात्मता हर एक अंग पर असर करती है ।

नृत्य (डान्स) और भावना (फिलींग्स) का एक दूसरे से सीधा संबंध है ।

वैसे नृत्य (डान्स) थेरापी का प्रमुख उपयोग विशिष्ट बच्चे, मनोरोगी एवम अन्य खामी वाले लोगो का मानसिक तनाव और मानसिक विकृति दूर करने के लिए होता है । सामाजिक ज्ञान की वृध्धि तथा वाणी–व्यवहार और वर्तनमे सुधार लाने हेतु नृत्य (डान्स) थेरापी अहम किरदार निभाता है । नृत्य (डान्स) थेरापी गंभीर बिमारीयाँ तथा मानसिक विकृति काईलाज कर शकता है । नृत्य (डान्स) द्वारा मन प्रफूल्लित रहता है और शारिरीक विकास एवम स्फूर्तिमे वृध्धि होती है ।

नृत्य (डान्स) थेरापी स्पेशियल बच्चो को कुछ ईस तरह से मददरुप होता है ।

जेसे कि ...

ओटिझम : ईसमें बच्चो के संवेदनशिल अंगो पर ध्यान केन्द्रित करके ईन मे रही कमियोंको दूर कर अंदरुनी शक्तिओ को बाहर लाया जा शकता है ।

तदुपरांत ईनमें आत्मविश्वास और स्फूर्ति का संचार कीया जा शकता है ।

मंदबुध्धिता : ईसमें बच्चे का खुद का व्यक्तिगत देखाव, सामाजिक समन्वयता, रोजबरोज की क्रियाए तथा वर्तन आदि मे सुधार लाया जा शकता है ।

और ईनमें आत्मविश्वास और स्फूर्ति का संचार कीया जा शकता है ।

नृत्य (डान्स) थेरापी के माध्यम से बच्चे का सामाजिक, मानसिक एवम शारिरीक विकास होता है ।

नृत्य (डान्स) थेरापी की एक मात्र मर्यादा यही रही है की १९४० से प्रयोगमे ले जाने पर भी आज तक ईसकी वैज्ञानिक तौर पर ईसकी पृष्ठी नही हो पाई है ।

वोइस टू दिव्यांग

एम. डबल्यु. एम. आर. संस्था द्वारा श्री ठाकोरभाई देसाई होल, अहमदाबादमे एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हो गया जीसमें कार दिव्यांग ट्रेनींग डे केर तालीम सेन्टर के गृप अ के बच्चो ने सुबह के पहले सेशनमे अभिनय गीत मे १० मे से ९ बच्चो ने धोळा धोळा ससलाा गीतमे हिस्सा लिया। सभी बच्चो ने सुंदर अभिनय कीया था। हिस्सा लेने वाले सभी बच्चो को ट्रोफी देकर उत्साहित कीया गया और संस्थाने भी सभी वच्चो को सन्मानित करके ईन्हे नास्ते के पेकेट दिए।

ૐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ

"માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા"

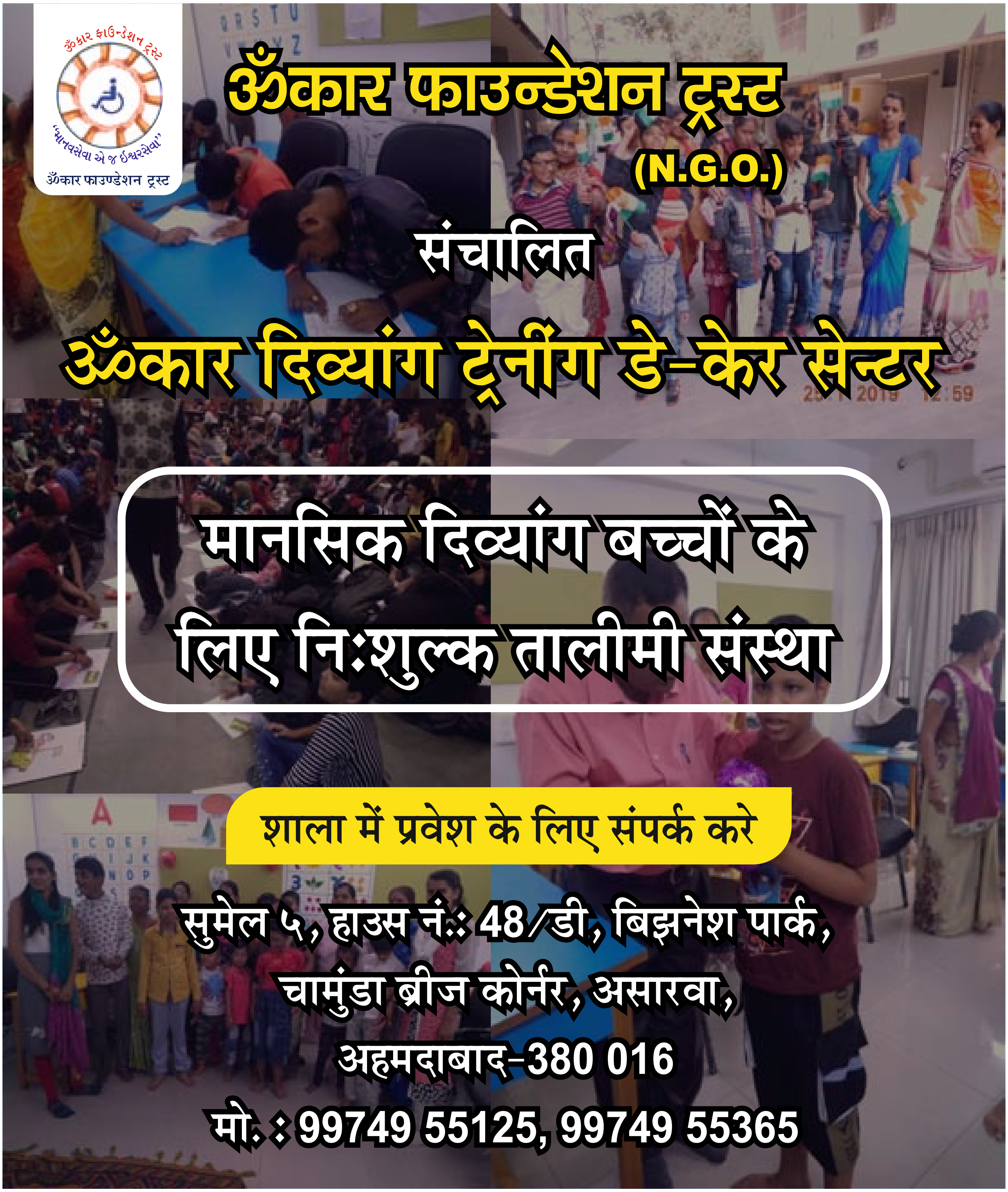

ૐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ

"માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા"

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट

(N.G.O.)

संचालित

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीमी संस्था

शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करे

सुमेल ५, हाउस नं.: 48/डी, बिझनेश पार्क,
चामुंडा ब्रीज कोर्नर, असारवा,
अहमदाबाद-380 016
मो. : 99749 55125, 99749 55365

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर